इस प्रकार कृषि से उस समय भारतीय . . . . . .

किन्तु भारत में अठारहवीं शताब्दी के अंत और उन्नीसवीं शताब्दी के प्रारंभ में ब्रिटिश शासन की स्थापना के बाद ग्रामीण परिस्थितियाँ तेज़ी से बदल गया। ब्रिटिश शासक अपने देश के . . . . उद्योगों के लिए कच्चे माल की आपूर्ति के स्रोत के रूप में भारतीय कृषि का प्रयोग करने लगे तथा भारतीय किसानों का कपास तथा नील जैसे पदार्थों की खेती के लिए जबरन बाध्य करने लगे। फलस्वरूप देश में खाद्यान्न का उत्पादन घटने लगा तथा आये दिन किसी न किसी भाग आकाल की स्थिति उत्पन्न होने लगा। ब्रिटिश शासन काल में अंतिम आकाल 1942-43 में ~~बंगाल~~ बंगाल का आकाल था जिसमें कलकत्ता के आसपास 30-35 लाख लोग भूख से मर गये। स्वतंत्रता प्राप्ति के समय तक देश में प्रायः यही स्थिति बनी रही। जिससे निबटने के लिए विदेशों से गेहूँ ~~एवं~~ प्रायः गेहूँ एवं मकई का आयात करना पड़ा। इस प्रकार भारत पर पहले खाद्यान्न के मामले में आत्म निर्भर था। अब जहाज द्वारा लाए गये अन्न, यानी From ship to mouth पर निर्भर रहने के लिए विवश हो गया है।

धीरे-धीरे पंचवर्षीय योजनाओं द्वारा तथा देश के बड़े भाग में हरित क्रान्ति के फलिभूत होने से अब भारत खाद्यान्न के मामले में आत्मनिर्भर बन गया है किन्तु महात्मा गाँधी की नसीहत से उत्तरोत्तर बड़ा दूर होते जा रहे हैं। अब आत्म स्वावलंबन के विषय में न तो सरकार और न ही